Aryabhatta College

Department of _____Hindi_____

(Annual Report for the Academic session 2015___ to 2016_____)

1) Name of Teacher in Charge: Dr. Ram Avatar Sharma
2) Brief details of Faculty members

S.No.	Name	Qualification	Designation
1	Dr. Ram Avatar Sharma	Ph.D.	Associate professor
2	Dr. Kailash Prakash Singh	Ph.D.	Associate professor
3	Dr. Dev Prakash Mishra	Ph.D.	Associate professor
4	Dr. Balraj Singh	Ph.D.	Associate professor
5	Dr. S. B. N Tiwari	Ph.D.	Assistant professor
6	Dr. Promila	Ph.D.	Assistant professor
7	Dr. Dhirendra Bahadur Singh	Ph.D.	Assistant professor
8	Dr. Neetu Jai Singhani	Ph.D.	Assistant professor
9	Dr. Birendra Kumar	M.PHIL	Assistant professor
10	Prem Pal	Ph.D.	Assistant professor
11	Dr. Rashmi Tyagi	Ph.D.	Assistant professor

3) Student Strength

First Year	Second Year	Third Year
57	46	37

4) Details of publication work by the faculty members

S.No.	Name	Title of the Paper	Journal/Book	Citation Index/Impact Factor, if any
	Dr. Neetu jai Singhani	*Stree Swar ka ek Mukhar Dastawez Nadira Zahir Babar ka Natak: Jee Jaisi Aapki Marji'*	*Badalta Bhartiye Pariwesh Aur Swatantraotar Hindi Natak*, ISBN No 978-93-82597-48-3.	

5) Participation of faculty members in seminars/workshops ,etc

S.No.	Name	Orientation /Refresher/ FDP etc.	Title of Seminar/Workshop/Conference etc	Duration	International Or National	Organizing Agency
1	Dr. Neetu jai Singhani		*Stree Swar ka ek Mukhar Dastawez Nadira Zahir Babar ka Natak: Jee Jaisi Aapki Marji'*	12th-13th February 2016		PGDAV college
2	Dr. Neetu jai Singhani		Participated in one day work shop on ' Gender Sensitization and implementation of women at work place.			
3	Dr. Neetu jai Singhani		Participated in capacity building workshop on e-content in Hindi			ILLL,DU
4	Dr. Neetu jai Singhani		Participated in a mooc workshop held on 4th March 2016 at institute of lifelong learning Delhi University.			ILLL,DU
5	Dr. Neetu jai Singhani		Judged a debate Competition, Sahitya hi Safalta ki Kunji Hai'	20th Decembe r 2015.		Gandhi Bhawan, University of Delhi
6	Dr. Neetu jai Singhani		Coordinator of College Theater Society *Rangmanch* supervised the actors for their performance *Do Raaste*, a street play	27th Jan 2016		Gandhi Bhawan, University of Delhi
7	Dr. Dhirendra Bahadur Singh	Orientation Programm e		30/05/201 6 to 25/06/201 6		

6) Achievement of Students including their participation in various societies

Name/ Event	Course	Year	Participation
Pankaj NCC Cadet	B.A (H) Hindi	2016	attending P.M Rally

7) Co-curricular Programmes conducted by the Department

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	"सत्ता, संस्कृति, तथा साहित्य भक्ति आन्दोलन से आज तक" और यू. जी.सी. के अनुग्रह अनुदान से 14 एवं 15 मार्च **2016** को.
	इस वर्ष आर्यभट्ट महाविद्यालय के हिन्दी विभाग में, हिन्दी साहित्य परिषद् का गठन हुआ , जिसके अंतर्गत सबसे बड़ी उपलब्धि प्राचार्य के सकारात्मक विचार और यू. जी.सी. के अनुग्रह अनुदान से चौदह एवं पंद्रह मार्च को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसका विषय था, "सत्ता, संस्कृति, तथा साहित्य भक्ति आन्दोलन से आज तक" इस गोष्ठी के स्मारम्भ सत्र के विद्वान वक्ता महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (वर्धा) के कुलपति प्रोफेसर गिरीश्वर मिश्र तथा अध्यक्ष संत साहित्य के उदभट विद्वान् डॉ. रमेशचंद्र मिश्र थे। इस सत्र का संचालन हिन्दी विभाग प्रभारी तथा संगोष्ठी के संयोजक डॉ. रामावतार शर्मा ने किया। तीनो शब्दों के मंथन से निष्कर्ष निकला की तीनो की टकराहट से ही जीवन मूल्य निकलते हैं और ये जीवन मूल्य आदर्शवादी भी होते हैं और यथार्थवादी भी, परंपरागत भी और प्रगतिशील भी। इस सत्र का समापन कॉलेज के प्राचार्य डॉ मनोज सिन्हा के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।
	प्रथम सत्र (भक्तिकाल) की अध्यक्षता विद्वान् प्रोफेसर डॉ. पाण्डेय ने की, संचालन संगोठी के संयोजक डॉ रामावतार शर्मा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नीतू जयसिंघानि की मधुर वाणी से हुआ। इस सत्र का निष्कर्ष रहा कि त्याग ही अद्वैत का आधार है और अद्वैत ही यथार्थ को जीवित रखता है यही जीवन मूल्यों की सार्थकता है।
	दूसरे सत्र (रीतिकाल) की अध्यक्षता प्रोफेसर के.एन.तिवारी ने की, संचालन अपने दायित्व बोध में सजग उद्यमी डॉ. बीरेंद्र कुमार ने किया। इस सत्र का

	निष्कर्ष रहा कि नीति और श्रृंगार जीवन के शुष्क और सरस जीवन मूल्य है, जो कभी अप्रासंगिक नहीं हो सकते। तीसरे पुनर्जागरण सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर राजेन्द्र गौतम ने की। संचालन डॉ.एस.बी.एन तिवारी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री प्रेमपाल द्वारा किया गया।
	निष्कर्ष रहा कि ज्ञान की परम्पराए बाधित होती हैं, समाप्त नहीं होती, चेतना के स्तर पर लेनदेन नहीं चलता। **1857** में अवध की बेगम का घोषणा पत्र जनता का घोषणा पत्र था। भक्तिकाल और पुनर्जागरण विदेशी सत्त्ताओ से टकराए हैं। सत्ता से टकराए बिना जागृति संभव नहीं। चौथे सत्र (वर्चस्व, बनाम अस्मिता मूलक साहित्य) की अध्यक्षता प्रोफेसर वी.एन.भालेराव ने की। इस सत्र का संचालन डॉ. धीरेन्द्र बहादुर सिंह ने किया। इस सत्र का निष्कर्ष रहा, व्यवस्था के लिए सत्ता आवश्यक है। जीवनमूल्यो की सुरक्षा के लिए सत्त्ता से टकराहट आवश्यक हैं। बिना उससे टकराए कोई आन्दोलन खड़ा नहीं हो सकता। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रश्मि त्यागी ने किया। हिन्दी विभाग के सभी अध्यापक बंधुओ ने अपनी भूमिकाओ में प्रशंसनीय कार्य किया। यह संगोष्ठी साहित्य और समाज के लिए उपयोगी निष्कर्षो के साथ संपन्न हुई। हिन्दी साहित्य परिषद् ने महाविद्यालय के स्तर की दो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। जिनकी सबसे बड़ी सफलता यह रही की बड़ी संख्या में छात्रों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। परिषद् के अध्यक्ष आकाश सहित सभी पदाधिकारियों ने परिषद् के हर कार्य में पूरा सहयोग दिया। श्री प्रेमपाल के छात्र – संगठन, कौशल को बधाई देनी होगी। प्रतियोगिताओं मे प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना चार पुरस्कार छात्रों कि प्रतिभा के परिचायक बने। हिन्दी साहित्य परिषद् का समारंभ सुखद भविष्य का सूचक है।

Hindi Department	Kavya pratiyogita, 19 February 2016
Hindi Department	Vad Vivad Pratiyogita

8) Library Budget sanctioned for the Department;

Department Of Hindi	80000

9) (Strength ,Weakness , Opportunities, Challenges) SWOC Analysis of the Department

1. विभाग में बहुत समय से स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति अपेक्षित थी। हमारे विभाग में **4** स्थायी रिक्त पदों को क्रमशः डॉ. प्रोमिला, डॉ. धीरेन्द्र बहादुर सिंह, डॉ. नीतू जयसिंघानि तथा डॉ. बीरेन्द्र कुमार ने सुशोभित किया। इन चारो के आगमन से हिन्दी विभाग उन्नति का आकाश छूऐगा।

10) Future Plans of the Department

अब विभाग नई ऊर्जा के साथ छात्र-शिक्षक संबंध को और बेहतर बनाएगा। साहित्यिक गतिविधियों को और बढ़ावा दिया जाएगा।